म.प्र. पॉवर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड

(मध्यप्रदेश शासन के पूर्ण स्वामित्व का उपक्रम)

CIN : U40109MP2001SGC014880

रजिस्टर्ड ऑफिस : शक्ति भवन, रामपुर, जबलपुर - 482 008 (म.प्र.)

दूरभाष : (0761) 2661234, फैक्स : (0761) 2664141, ई-मेल : md@mptransco.nic.in, वेब-साईट : mptransco.nic.in

क्रं. जनसंपर्क वि./ट्रांसको/समाचार/एन / 140 जबलपुर/दिनांक 18.10.2022

समाचार

म.प्र. पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने पहली बार उपयोग किया अत्याधुनिक तकनीक की ट्रांसफार्मर बुशिंग का

जबलपुर। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने अपने नेटवर्क के अति उच्चदाब पावर ट्रांसफारमर्स में अत्याधुनिक तकनीक की आर.आई.पी. (रेसिन इम्प्रीग्नेटेड पेपर) बुशिंग का उपयोग प्रारंभ कर एक और नवाचार किया है। परंपरागत ओ.आई.पी. (आईल इम्प्रीग्नेटेड पेपर) बुंशिग के मुकाबले ज्यादा भरोसेमंद और प्रभावी इस बुशिंग के उपयोग से मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के पावर ट्रांसफार्मरों के फेल होने के मुख्य कारण को नियंत्रित किया जा सकेगा।

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने अपने नर्मदा पुरम और कुक्षी स्थित 220 के.व्ही. सबस्टेशनों में एक नया 160 एम.व्ही.ए. क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया है, जिसमें नवाचार करते हुये इसमें अत्याधुनिक तकनीक की बुशिंग का उपयोग किया है। पूर्व में आईल एवं पेपर माध्यम वाली बुशिंग अपने स्वभाव के कारण नमी सोख लेती थी, जो पावर ट्रांसफार्मर फेल्युअर की एक बडी वजह है, पर इस नई रेसिन इम्प्रीग्नेटेड पेपर बुशिंग में रेसिन माध्यम रहता है, जो लंबे समय तक बुशिंग के मूल अंदरूनी पेरामीटर्स टेन डेल्टा (कुचालक क्षमता) को अप्रभावित रखता है, जिससे ट्रांसफारमर्स के अचानक फेल होने की संभावना न्यूनतम हो जाती है, इस नई तकनीक के उपयोग से ट्रांसफारमर्स् के बुशिंग फेल्यूर के कारण होने वाले व्यवधान में कमी आयेगी। साथ ही ट्रांसमिशन सिस्टम की उपलब्धता में विश्वसनीयता बढेगी।

प्रोक्योरमेंट के श्री इकबाल खान
ने तैयार किये आवश्यक तकनीकी पेरामीटर्स

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्य अभियंता श्री अजय श्रीवास्तव ने बताया कि वर्षो से चली आ रही परंपरागत बुशिंग को बदलने की चुनौती को मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रोक्योरमेंट संकाय के अभियंताओं ने स्वीकार किया और कई दिनों की मेहनत के बाद कार्यपालन अभियंता श्री इकबाल खान ने विश्व के विभिन्न हिस्सों में उपयोग हो रही इन बुशिंगो की कार्यप्रणाली और विभिन्न केस पेपरों का अध्ययन कर सुरक्षित और प्रभावी तकनीकी डेटा तैयार करने में सफलता पायी जिसके अनुसार संबंधित निर्माता निर्धारित मापदंड की बुशिंग उपलब्ध करा पाया।

पहले चरण में 220 के.व्ही. से ऊपर की बुशिंग होगी उपयोग

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन ने अब अपने 220 के.व्ही. और 400 के.व्ही. के वोल्टेज स्तर के ट्रांसफार्मर्स में इन अत्याधुनिक तकनीक से निर्मित बुशिंग का उपयोग करना प्रारंभ किया है, जिसे बाद में 132 के.व्ही. वोल्टेज लेबल के ट्रांसफारमर्स में भी उपयोग किया जा सकेगा।

सादर प्रकाशनार्थ

शशिकांत ओझा
जनसंपर्क अधिकारी
म.प्र.पा.ट्रांस.कं.लि. जबलपुर
9425805022, 9425446313